हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, सोमवार 6 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

महिला सशक्तिकरण एवं विधिक जागरूकता कार्यशाला सम्पन्न

मण्डला। ग्राम पंचायत मक्के, जनपद नैनपुर में गुरूवार को 'हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन योजना' अंतर्गत महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013, शी-बॉक्स पोर्टल एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले द्वारा बाल विवाह निषेध, महिलाओं की सुरक्षा, शासन की योजनाओं एवं शिकायत निवारण प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा आई.ई.सी. सामग्री वितरित की गई। साथ ही टिकाऊ खेती, पशुपालन एवं कौशल विकास योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। पैरालीगल वॉलेंटियर श्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने निःशुल्क विधिक सहायता एवं टोल-फ्री नंबर 15100 की जानकारी दी।

विद्यार्थियों के बीच पहुंचे एसडीएम ने दिया सफलता का मंत्र

मण्डला। नैनपुर अनुविभाग के अंतर्गत संचालित "स्कूल चलें अभियान" के तहत आज अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नैनपुर श्री आशुतोष महादेव सिंह ठाकुर ने "भविष्य से भेंट" कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल जामगांव का भ्रमण किया। इस अवसर पर श्री ठाकुर विद्यार्थियों के बीच पहुंचे और उनसे आत्मीय संवाद स्थापित करते हुए उनके शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत परिचर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहने, नियमित अध्ययन करने एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करते हुए उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान श्री ठाकुर ने विद्यार्थियों को गणित, भौतिकी एवं रसायन शास्त्र विषयों का अध्यापन भी कराया, इससे विद्यार्थियों में विषयों के प्रति रुचि एवं समझ विकसित होगी। उनके द्वारा सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से जटिल अवधारणाओं को स्पष्ट किया गया।

पेंड्रा रोड अमरकंटक डिंडोरी मंडला श्रीधाम तक नई रेल लाइन की तेज हुई मांग

छ.ग. मण्डला रेल लाईन का मुद्दा राज्य सभा में गूंजा

*** मण्डला, डिण्डौरी, अमरकंटक के पर्यटन को मिलेगा सुनेहरा अवसर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला के आदिवासी बहुल और विकास की राह देख रहे क्षेत्रों के लिए एक बड़ी उम्मीद जगी है। राज्यसभा सांसद फूलो देवी नेताम ने संसद के उच्च सदन में 'शून्यकाल' के दौरान छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश को जोड़ने वाली एक महत्वाकांक्षी रेल परियोजना का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया।

उन्होंने केंद्र सरकार से पेंड्रा रोड – अमरकंटक – डिंडोरी – मंडला – घंसौर – लखनादौन – गोटेगांव (श्रीधाम) तक नई रेल लाइन के शीघ्र निर्माण और विस्तार की मांग की।

धार्मिक और पर्यटन मानचित्र पर चमकेगा क्षेत्र

सांसद नेताम ने कहा कि यह रेल लाइन केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी जीवनरेखा है। अमरकंटक और नर्मदा नदी उद्गम स्थल तक सीधी रेल कनेक्टिविटी मिलने से धार्मिक पर्यटन को अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा।

आदिवासी अंचलों को मिलेगी नई पहचान

यह परियोजना छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

डिंडोरी और मंडला जैसे जिले, जो वर्षों से रेल सुविधा का इंतजार कर रहे हैं, इस लाइन के जरिए राष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ पाएंगे। इससे इटारसी जंक्शन के माध्यम से दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों तक सीधी पहुँच संभव हो सकेगी।

प्रस्तावित रेल लाइन के मुख्य केंद्र

पेंड्रा रोड – ज्वालेश्वर धाम, लक्ष्मण धारा, झोझा जलप्रपात अपनी प्राकृतिक सुंदरता और केंदा घाटी के एवम अचनकमार के वादियों के अनुपम दृश्यों के लिए प्रसिद्ध। अमरकंटकः माँ नर्मदा जी का उद्गम स्थल आस्था और पर्यटन का केन्द्र .माँ नर्मदा का उद्गम स्थल हिंदुओं के लिए एक पवित्र तीर्थस्थल और मैकल पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी। डिंडोरी – आदिवासी आंचल के लोगो को पहली बार रेल से जुड़ने का मौका मिलेगा.जीवाश्म (Fossils) यहाँ के घुघुआ फॉसिल पार्क में लाखों साल पुराने पौधों के जीवाश्म मिलते हैं। मंडलाः आदिवासी विकास और व्यापार को बढ़ावा,कान्हा नेशनल पार्क पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा,गोंड- लोधी राजाओं की ऐतिहासिक भूमि और बाघों के लिए विश्व प्रसिद्ध नेशनल पार्क। घंसौर – क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत के साथ व्यापार को बढ़ावा,कलचुरी कालीन इतिहास, नागा बाबा पुरातात्विक संपदा और औद्योगिकीकरण (पावर प्लांट) का मेल। लखनादौनःपहली बार रेल लाइन से जुड़ने का मौका, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत,पेंच राष्ट्रीय उद्यान 'मोगली लैंड' के नाम से मशहूर, जो रुडयार्ड किपलिंग की 'द जंगल बुक' की प्रेरणा है। गोटेगांव (श्रीधाम): दिल्ली–मुंबई रेल कॉरिडोर से जुड़ाव,झोतेश्वर (परमहंसी गंगा आश्रम) आध्यात्मिक केंद्र और सतपुड़ा की पर्वत श्रृंखलाओं का प्रवेश द्वार।

क्षेत्रीय विकास को मिलेगी नई गति

सांसद फूलो देवी नेताम ने जोर देकर कहा कि यह परियोजना लंबे समय से लंबित है और इसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाना चाहिए। इससे न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि— स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। व्यापार और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

पहले ही हो चुका है सर्वे – अब FLS की मांग

इस महत्वपूर्ण रेल परियोजना को लेकर सबसे अहम बात यह है किः रेलवे बोर्ड द्वारा वर्ष 2012-13 में सर्वे (RECT) स्वीकृत किया गया था। सर्वे का कार्य पूरा कर 28.07.2015 को रेलवे बोर्ड को रिपोर्ट भेज दी गई कुल लंबाईः 406.2 किलोमीटर अनुमानित लागतः 4395.85 करोड़। ROR (Return on Rate): +1.66% (सकारात्मक) अब मांग की जा रही है कि इस परियोजना का Final Location Survey (FLS) जल्द से जल्द कराकर इसे स्वीकृति दी जाए। दूरी आधी होगी – रेलवे को सीधा फायदा वर्तमान में रेल मार्ग काफी लंबा और घुमावदार हैः बिलासपुर ⟶ अनूपपुर ⟶ शहडोल ⟶ कटनी ⟶ जबलपुर = 408 किमी। बिलासपुर ⟶ गोंदिया ⟶ बालाघाट ⟶ नैनपुर ⟶ जबलपुर = 517 किमी लेकिन प्रस्तावित नया रेल मार्ग बनने के बाद दूरी लगभग आधी रह जाएगी इससे रेलवे को ईंधन और समय की बचत। यात्रियों को तेज और सीधी कनेक्टिविटी व्यापारिक गतिविधियों में तेजी।

अब सबकी नजर रेल मंत्रालय पर

इस मुद्दे के संसद में उठने के बाद अब उम्मीद जताई जा रही है कि रेल मंत्रालय इस महत्वपूर्ण रेल लाइन के सर्वे, स्वीकृति और बजट आवंटन की प्रक्रिया में तेजी लाएगा।

कन्हारी वन परिक्षेत्र कान्हा में बाघ की मौत

*** पोस्टमार्टम के उपरांत किया गया दाह संस्कार।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कल दिनांक 5/4/2026 को एक वन्यजीव मादा बाघ की मृत्यु की घटना, जिसका स्थान कन्हारी के कक्ष क्र0 112 करोंदावारे बीट कन्हारी वन परिक्षेत्र कान्हा के अंतर्गत प्रकाश में आई। जिस पर एनटीसीए नई दिल्ली एवं कार्यालय मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्यप्रदेश, भोपाल से जारी दिशा-निर्देश अनुरूप त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल को सुरक्षित किया गया व डॉग स्क्वाड की सहायता से घटना स्थल एवं उसके आस-पास छानबीन की कार्यवाही की गई। पोस्टमार्टम .डॉ. संदीप अग्रवाल वन्यप्राणी चिकित्सक कान्हा टायगर रिजर्व मण्डला, डॉ. आर. एम. भुरमूदे पशु चिकित्सक मण्डला, डॉ. सुनील गोयल पशु चिकित्सक पशु चिकित्सालय बैहर के द्वारा किया गया है। वन्यजीव बाघ के शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाये गये। मृत बाघ के शरीर पर चोट एवं घाव के निशान पाये गये। शव परीक्षण विशेषज्ञ दल के अनुसार प्रथम दृष्टया मादा बाघ को अन्य बाघ द्वारा मारा जाना प्रतीत होता है। निर्धारित प्रक्रिया अनुसार शवदाह/भस्मीकरण की कार्यवाही श्री रवीन्द्रमणि त्रिपाठी, क्षेत्र संचालक कान्हा टाईगर रिजर्व, श्री सूरज सिंह सेन्द्राम सहायक संचालक बंजर, वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. संदीप अग्रवाल, श्री शंकर मेरावी तहसीलदार बिछिया, श्रीमति श्यामवती उइके संरपंच खटिया एव एनटीसीए के प्रतिनिधि सुश्री जैनबखान, ब्रॅ प्रतिनिधि श्री चन्द्रेश खरे की उपस्थिति में की गई। उपरोक्त समस्त कार्यवाही की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई है। प्रकरण में वन अपराध प्रकरण क्रंमाक 3036/11 दिनॉक 5/4/2026 दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही जारी है।

बम्हनीबंजर में रेत ठेकेदारों की मनमानी, प्रधानमंत्री सड़क बदहाल

*** बम्हनीबंजर से बरबसपुर तक की सड़क बदहाल प्रशासन बेखबर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/बम्हनीबंजर

बम्हनीबंजर क्षेत्र में रेत ठेकेदारों की मनमानी और प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी के चलते प्रधानमंत्री सड़क पूरी तरह से दुर्दशा का शिकार हो चुकी है। बरबसपुर से बम्हनीबंजर तक की सड़कें भारी डंपरों की लगातार आवाजाही के कारण जगह-जगह से उखड़ गई हैं और बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं।

इन खस्ताहाल सड़कों का सबसे ज्यादा खामियाजा स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। गांवों से बच्चे साइकिल से स्कूल आते हैं, लेकिन सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण आए दिन गिरकर घायल हो रहे हैं। वहीं, गीली रेत से भरे ओवरलोड डंपरों के परिवहन के चलते सड़क पर पानी भर जाता है, जिससे हालात और भी बदतर हो जाते हैं।

पैदल चलने वाले राहगीरों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कीचड़ और गड्ढों से भरी सड़कें अब चलने लायक भी नहीं बची हैं।

हैरानी की बात यह है कि पुलिस थाने के सामने से ही ओवरलोड रेत से भरे डंपर बेखौफ गुजरते हैं, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे साफ जाहिर होता है कि जिम्मेदार अधिकारियों का इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं है। ग्रामीण में यह जन चर्चा का विषय बना हुआ है कि ओवरलोडिंग का यह खेल प्रशासन की मिलीभगत से चल रहा है, जिससे रेत माफियाओं के हौसले बुलंद हैं

सवाल यह उठता है कि आखिर ओवरलोडिंग डंपरों पर कार्रवाई कब होगी? कब जागेगा प्रशासन? या फिर किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है।

"जल शक्ति से नव भक्ति अभियान" के तहत जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना

मण्डला। नवांकुर संस्था-तेजस्विनी महिला शक्ति संघ, नैनपुर द्वारा "जल शक्ति से नव भक्ति अभियान" के अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवाड़ा एवं ग्राम पंचायत झिरिया में जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह पहल ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सहयोग से संपन्न हुई। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष श्री मनोज कुशवाहा, सचिव श्री अशोक साहू, श्री दयादास धरवैया, श्री ब्रज नरेश मोंगरे, श्री अंतराम साहू, वार्ड पंच श्रीमती गुड्डी बाई यादव, सरूपा साहू, रोजगार सहायक श्री दीपक यादव, मोबिलाइज़र श्रीमती कलेश्वरी उलारी सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे। साथ ही बीएसडब्ल्यू/एमएसडब्ल्यू की छात्राएँ संध्या मसराम, शुरभी कुमरे एवं शिवानी यादव की भी सहभागिता रही। इस अवसर पर संस्था की उपाध्यक्ष गीता सोलंकी एवं परामर्शदाता श्री अंजय विश्वकर्मा ने अभियान के तीनों चरणों की विस्तार से जानकारी देते हुए जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। ग्राम के मुख्य चौराहे पर जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना की गई, जिससे आमजन को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। ग्राम झिरिया में चौपाल कार्यक्रम के माध्यम से जल गंगा संवर्धन एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उपाध्यक्ष श्रीमती गीता सोलंकी द्वारा सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया। यह पहल क्षेत्र में जल संरक्षण एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

यदि कोई आपको पैसे भेजने का मैसेज करके पैसे वापस करने को कहे तो सावधान हो जाए

*** फेक मेसेज भेजकर पैसे वापस करने के नाम से धोखाधडी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

साइबर अपराधियों द्वारा आम नागरिकों को फोन कर यह कहा जाता है कि "गलती से आपके खाते में पैसे ट्रांसफर हो गए हैं, कृपया वापस कर दें।" इसके साथ ही वे एक फर्जी SMS/Whats App स्क्रीनशॉट भेजते हैं जिसमें पैसे क्रेडिट होने का झूठा मैसेज दिखाया जाता है। आपके बैंक खाते में वास्तविक रूप से कोई पैसा नहीं आता, लेकिन झांसे में आकर लोग अपने पैसे अपराधियों के खाते में ट्रांसफर कर देते हैं।

अपराधी कॉल कर "गलती से पैसे भेजने" की बात करते हैं,फर्जी SMS या स्क्रीनशॉट भेजकर पैसे आने का भ्रम पैदा करते हैं भावनात्मक दबाव बनाकर तुरंत पैसे वापस भेजने को कहते हैं UPI/Bank transfer के माध्यम से पैसे मंगवा लेते हैं।

पिछले दिनों सायबर सेल मण्डला में एक शिकायत प्राप्त हुई जिसमें आवेदक को अज्ञात व्यक्ति ने कॉल किया एवं कुछ सामान खरीदने के नाम पर एडवांस में पैसे जमा करने का एक मैसेज किया जो कि बैंक द्वारा भेजे गए मैसेज जैसा ही मिलता जुलता हुआ हैं। मैसेज भेजने के बाद बोला की आपको 50 हजार रुपए भेजने थे ज्यादा चले गयें है आप वापस कर दीजिए। दुकानदार ने मैसेज देखा और मेसेज पर विश्वास करके उसके बताये नंबर पर युपीआई कर दिया एवं ऑनलाईन धोखाधडी का शिकार हो गए।

दूसरी शिकायत में बैंक में कार्यरत महिला को अज्ञात व्यक्ति ने अपने आप को पहचान वाला बताकर कॉल किया और बोला "मैंने गलती से 9,000 आपके खाते में भेज दिए हैं, कृपया वापस कर दें।" एक SMS भेजा गया जिसमें 9,000 क्रेडिट दिखाया गया। व्यक्ति ने बिना अपने बैंक खाते की जांच किए, पैसे ट्रांसफर कर दिए।बाद में पता चला कि उसके खाते में कोई पैसा आया ही नहीं था और वह ठगी का शिकार हो गया।

मंडला पुलिस ने आमजन से अपील करते हुये कहा कि ऐसे किसी भी प्रकार के झांसे में ना आयें। किसी भी अनजान कॉल/मैसेज पर भरोसा न करें केवल SMS देखकर नहीं, खुद बैंक ऐप/पासबुक में बैलेंस चेक करें जल्दीबाजी या भावनात्मक दबाव में कोई निर्णय न लें। ऑनलाईन धोखाधडी होने पर सायबर हेल्पलाईन 1930 या मण्डला पुलिस हेल्पलाईन नंबर 7049141561 पर संपर्क करें अथवा www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।

विवाद | **धार्मिक विधि से स्थापित की जाये प्रतिमा।**

डेढ़ साल बाद भी नहीं सुलझा मामला

*** श्रद्धालु सोनी ट्रॉली के लिए भटकने को मजबूर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

बम्हनीबंजर में मां काली की प्रतिमा को लेकर शुरू हुआ विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है। यह मामला न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर कर रहा है, बल्कि धार्मिक आस्था से जुड़े सवाल भी खड़े कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, 2024 मै नवरात्रि के दौरान काली ज्योति जनकल्याण समिति द्वारा विधि-विधान मां काली की स्थाई प्रतिमा मंगाई गई थी। प्रतिमा की स्थापना की तैयारी पूरी हो चुकी थी, लेकिन प्रशासनिक हस्तक्षेप के चलते स्थापना रोक दी गई।

बताया जा रहा है कि विरोध के दबाव में आकर प्रशासन ने प्रतिमा को हटवा दिया और सुरक्षित रखने के नाम पर एक श्रद्धालु सोनी की ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखवा दिया। उस समय आश्वासन दिया गया था कि दो दिन के भीतर ट्रॉली वापस कर दी जाएगी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि करीब डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी श्रद्धालु सोनी को उसकी ट्रॉली वापस नहीं मिली। परेशान होकर संबंधित व्यक्ति को अपनी ट्रॉली सहित प्रतिमा को नगर परिषद तक लाना पड़ा। उनका कहना है कि अगर जल्द न्याय नहीं मिला, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

वहीं, काली ज्योति जनकल्याण समिति के अध्यक्ष दीपक लोहारिया ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि प्रतिमा को पूरी धार्मिक विधि से स्थापित किया जाना था, लेकिन कुछ विरोधियों के दबाव में प्रशासन ने न केवल स्थापना रुकवाई, बल्कि मंच पर ताला लगाकर मूर्ति हटवा दी। इस दौरान प्रतिमा के क्षतिग्रस्त होने की बात भी सामने आई है।

इस पूरे घटनाक्रम से हिंदू समाज में आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि यह सिर्फ एक ट्रॉली का मामला नहीं है, बल्कि उनकी आस्था से जुड़ा विषय है। अब बड़ा सवाल यह है कि प्रशासन इस मामले में कब तक चुप्पी साधे रहेगा और आखिर कब पीड़ित को न्याय मिलेगा।

खबर संक्षेप

चिरहकला स्कूल में बच्चों को वितरित की गई पुस्तकें

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासन के आदेश अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम चिरहकला के एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में नवप्रवेशी एवं कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक के छात्रों को निःशुल्क पुस्तकें वितरित की गई। इस अवसर पर प्रधान पाठक डी एस धानक ने बताया कि बीआरसी कार्यालय से प्राप्त पुस्तकों का वितरण उपस्थित बच्चों को कर दिया है। वही जो बच्चे किन्ही कारणोंवश स्कूल नहीं आ पाये उन्हें भी उनके स्कूल आने पर जल्द पुस्तकें दी जाएंगी। इस अवसर पर श्रीमती रूपी जैन, सचिन लहरिया, राहुल कोरी, ममता चौहान, दयावती गुप्ता, आरती मेहरा, दीप्ती जाटव, ऊषा रावत सहित स्कूल के बच्चे उपस्थित रहे।

वृद्व के साथ की मारपीट

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर लोगों देखा जाता है कि वह वृद्वों की मदद करते हुये सेवा करते है। मगर कुछ लोग इस तरह से होते है कि वह पैसों के लालच में वृद्वों के साथ मारपीट करने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम निवावर में देखने मिली है जहां पर एक युवक द्वारा शराब पीने के लिये पैसा न देने पर वृद्व के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर ग्राम निवावर निवासी वृद्व द्वारा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि में वृद्व पेशन पर अपना जीवन यापन कर रहा हे और घर में अकेला रहता हूं। अपनी शिकायत में वृद्व प्रार्थी ने बताया कि मैने कुछ दिन पहले जमीन बेची थी जिसके पैसे मिले थे जो मैने बैंक मे जमा कर दिये थे और कुछ पैसे अपने परिजनो को दे दिये थे। लगभग चार माह पहले मैने एक लाख आठ हजार रूपये बैंक से निकाले थे जिन्हे मैने अपनी पेटी मे रखे थे और उन्ही पैसो मे से निकालकर अपना खर्चा चलाता हूं। इन पैसों की जानकारी शिवम किरार थी। इसी के चलते बीते हुये दिवस शिवम किरार मेरे पास आया जो शराब के नशे मे था मुझसे कहने लगा कि मुझे और दारू पीना है पैसे दो मैने कहा मेरे पास तुम्हे शराब पीने के लिये देने के लिये पैसे नही है। इसी बात पर से शिवम वृद्व के सीना मे लात मारी जिसके चलते वह गिर गया। इसके बाद लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर वृद्व की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

मूक पशुओं की रक्षा के लिये जागरूकता की आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि लोग अपने उपयोग के लिये पशुओं को पालते जरूर है। मगर जिस प्रकार से उनका उपयोग करते हुये उनकी देखरेख में बरते जाने वाली कोताही का परिणाम इस प्रकार से देखा जाता है कि मूक पशुओं की जिन्दगी खतरे में पड़ने से नही चूकती है, क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि जहां लोग गायों का दूध निकालते हुये उन्हें शहरों में सड़को पर इस प्रकार से छोड़ दिया जाता है जिसके चलते वह आम लोगों के लिये परेशानी का कारण तो बनते है साथ ही साथ उन मूक पशुओं की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने से नही चूकती है? कुछ इसी प्रकार का हाल ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने मिलता रहता है जहां पर लोगों द्वारा अपने घरों में पशुओं को पालते हुये उनका उपयोग तो रकते है मगर उन्हें घरों के पास बांधते हुये इस बात का ध्यान पर ध्यान देने से भूल जाते है कि इस समय पड़ रहे गर्मी के दौरान जहां लोग अपने घरों के अंदर पंखा कूलर छोड़ने का मन नही बना पाते है और मूक पशु तपती हुई धूप के बीच बंधे हुये चुपचाप खड़े रहते है। इस प्रकार से पशुओं के प्रति अनदेखी करने वाले पशु मालिकों के खिलाफ जहां एक जागरूकता की जरूरत है। वही दूसरी ओर कानूनी कार्यवाही की जरूरत भी महसूस करने से नही चूक पा रही है? क्योंकि यदि इस प्रकार से पशु मालिकों द्वारा अपने मूक पशुओं के प्रति की जाने वाली अनदेखी के चलते उन्हें प्रताड़ति होने के लिये छोड़ दिया जाता है ।

शनिवार की शाम अचानक तेज आंधी तूफान के बीच ओलों की बारिश से अन्नदाता को कर दिया बर्बाद, गेंहू सहित अन्य फसलों को पहुंची क्षति

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका/बारहाबड़ा।

इस समय क्षेत्र के किसान अपने खेतों में गेंहू फसल की कटाई के साथ साथ लगाई गई मूंग फसल की सिंचाई में लगा हुआ देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर लगातार तापमान में हो रही पड़ोत्तरी के कारण लोग गर्मी से भी बेहाल होते हुये देखे जा रहे है। मगर प्रकृति का जिस तरह खेल देखने मिल रहा है वही निश्चित तौर से किसानों के साथ साथ आम लोगों को परेशानियों में डालने से नही चूक रहा है। इस बात की सच्चाई बीते हुये शनिवार को उस समय देखने मिला जब आसमान पर अचानक काले बादल छाने के साथ तेज हवा के साथ हुई क्षेत्र के अनेक गांवों में ओलावृष्टि ने किसानों के खेतों में खड़ी हुई गेंहू फसल का बर्बाद कर दिया गया है। इस तरह हुई ओला वृष्टि से सालीचौका सहित ग्राम बारहाबड़ा, कठौतिया, बरेली, कान्हरगांव, महगंवा सहित क्षेत्र के अनेक गांव प्रभावित होने की खबरे मिल रही है। इसके आलवा अन्य आसपास के गांवों में जिस तरह प्रकृति ने केहर ढाया गया उसके चलते अनेक पेड़ जड़ से उखड़ जाने के कारण बिजली लाईनों पर गिरने के चलते बिजली व्यवस्था ठप्प होने से नही चूक पाई है। वही बताया जाता है कि तेज हवा के चलते किसानों के खेतो में कटने के लिये खड़ी हुई गेंहू फस्ल आडी होने से क्षति पहुंचने से नही बच पाई है तो दूसरी ओर क्षेत्र में अनेक लोगों के घरों के छप्पर उड़ जाने के कारण अब उन्हें चल रही भीषण गर्मी के दौरान रहनें के लिये परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा। वही दूसरी ओर किसानों के खेतो सहित गांवों में बिजली लाईनों पर पेड़ गिरने के चलते बिजली लाईने टूटने से अब किसानों को बिजली की समस्याओं का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा जिससे निश्चित ही उनकी मूंगों में चल रही सिंचाई का कार्य प्रभावित होने से नही चूक पायेगा। इस प्रकार से गर्मी के मौसम में प्रकृति जिस तरह से सितम ढाते हुये देखी जा रही है उसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा रहा है।

बसेड़िया द्वारा मानव सेवा के साथ साथ गाय माता की सेवा करते हुये जल पात्रों कर रहे स्थापना

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

मानव सेवा ही माधव सेवा होती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के समाजसेवी मुकेश बसेड़िया द्वारा हर सीजन में अपने स्तर पर जिस तरह लोगों की सेवा करते हुये देखे जाते है उसकी लोगों द्वारा खुले दिन से प्रशंसा करने से नही चूकते है। क्योंकि जब ठंड का सीजन रहता है और लोग अपने घरों में विस्तर पर पल्ली के नीचे से निकलने के पहले अनेकोबार सोचने के लिये मजबूर हो जाते है। उन दिनों में मुकेश बसेड़िया को अपनी डुग डुग्गिया पर अंधरी रातों में कंबल व रझाई लेकर उन लोगों को खोजते हुये देखे जाते है जो नगर के रेल्वे स्टेशन व बस स्टेन्ड सहित मंदिरों पर बेसहारा होकर ठंड के बीच अपनी राते काटने के लिये मजबूर देखे जाते है। वही दूसरी ओर आये दिन जंगल क्षेत्र के पहुंच बिहिन गांवों में जरूरी सामग्री लेकर लोगों की मदद में सदा ही बगैर किसी दिखाबे के सदा आगे दिखाई देते है। इस तरह शुरू हो चुके गर्मी के सीजन में देखा जा रहा है कि जब तेज तबन के बीच लोग अपने घरों से निकलते है तो चंद मिनिटों के अंदर कंठ सूखने की स्थिति में ठंडे पानी की बोतल खरीदकर पानी पीते हुये देखे जाते है। मगर नगर की सड़को पर भ्रमण करने वाली गाय माता सहित अन्य मूक पशुओं को शहर में कही भी पानी पीने के लिये उचित प्रबंध नही होने के कारण पशु नालियों के बेहने वाले गंदे पानी के बीच अपनी प्यास बुझाते हुये देखे जाते है। इस तरह प्यास से ब्याकुल होने वाले पशुओं की सेवा के लिये मुकेश बसेड़िया द्वारा अपनी ओर से जहां तहां टंकी रखते हुये पशु सेवा की ओर कदम बढ़ाया जा रहा है। बताया जाता है कि बीते हुये शनिवार को मुकेश द्वारा कन्या व गाय माता का पूजन के साथ गौ जल सेवा पात्रों का पूजन कर उन्हें शहर के विभिन्न स्थानों पर गाय व मूक प्राणियो को पानी पीने के लिये स्थापित कराये गये है। इस दौरान उन्होंने सर्व प्रथम विजयासन इंस्टीट्यूट के सामने माँ विजयासन व श्री दादाजी धूनी वालो के जल पात्रों का विधि विधान से पूजन करते हुये स्थापित किये गये। इस मौके पर अन्य लोग मौजूद थें। इस संबंध में जब मुकेश बसेड़िया से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि जब एक दिन गाय माता को हेण्ड पम्प से प्यास बुझाने के लिए संघर्ष करते हुये देखा तब ये जल पात्र रखने का विचार आया है। वही बसेडिया द्वारा आमजन से अपेक्षा व्यक्त की गई कि नगर व क्षेत्र में इस तरह सैकड़ो की संख्या में गाय व मूक प्राणी रोड पर प्यासे घूम रहे है। सबकी व्यवस्था करना आम आदमी के लिए संभव नही है। मगर हो सके तो लोग यदि अपने अपने घरों के सामने इस तरह एक छोटी सी टंकी में पानी भरकर रख देवे तो निश्चित ही प्यास से ब्याकुल गाय सहित अन्य पशुओं को कुछ हद तक राहत पहुंचाई जा सकती है। इस बात को लेकर अधिकत्तर लोगों का तर्क होता है कि हम अपने घरों के सामने पानी से भरकर पात्र तो रख देते है। मगर उसमें सुअर या फिर अन्य दूसरे जानवर पानी पीकर गंदा कर देते है। यदि अन्य दूसरा कोई जानवर उन पात्रों में पानी पी रहा है तो उसमें बुराई किस बात की उसे अपनी प्यास से राहत मिल रही है। इस तरह यदि हमारे द्वारा रखे जाने वाले पानी से किसी भी जानवर को प्यास बुझाने के काम आती है तो हमारे द्वारा उठाया गया कदम सफल हो जाता है। क्योंकि हर जीव का जीवन पानी पर ही आधारित होता है। हमारे द्वारा भरकर रखे गये पानी को कोई भी जान पर पीता है तो उसे प्यास से राहत मिले सकती है। क्योंकि हमारे धर्म ग्रंथों में इस बात का उल्लेख है कि भूखे को भोजन और प्यासे जीव को पानी पिलाने से बड़ा पुण्य अन्य दूसरे कार्य से नही मिलता है। इस तरह बसुड़िया द्वारा गौ जल सेवा पात्रों को नर्मदा कालोनी शंकर मन्दिर के सामने, शासकीय अस्पताल के पास, श्री हनुमान मंदिर एमपीईबी कालोनी, केप्री बैंक,हरिभूमि कार्यालय मेहता मेडीकल के पास विजय कालोनी, सिद्धि किराना के सामने, गायत्री मन्दिर नीरज मेहरा के घर के बाजू के साथ पिपरिया रोड पर रखा गया है तथा विभिन्न स्थानों पर पशु पक्षियों के लिए सकोरे भी टांगे गए है। वही बसेड़िया द्वारा हर साल की तरह इस साल भी आने वाली सतुवाई अमावश्या के दिन गुड़ चना युक्त प्याऊ जल सेवा के शुभारंभ किया जावेगा।

हरे भरे पेड़ों को सुखाकर गायब करने की सच्चाई के पीछे कही लकड़ी माफियों का षड़यंत्र तो नहीं..?

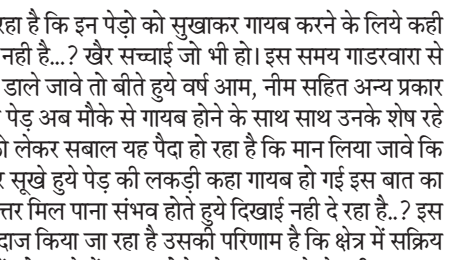

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा हर वर्ष हरियाली महोत्सव मनाते हुये पेड़ पौधाओं का रोपण करने के लिये लाखों रूपया खर्च किये जा रहे है। वही दूसरी ओर अनेक समाज सेवी संस्थाओं द्वारा भी आमजन को पेड़ लगाने के लिये आये दिन प्रेरित करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। मगर क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी माफियों के चलते जिस तरह हरे भरे वृक्षों पर कुल्हाडी चलते हुये देखा जाता रहा है वह निश्चित तौर से चिंता जनक बनने के साथ साथ जिम्मेदार अधिकारियों की कार्य शैली पर प्रश्न चिन्ह लगाने में पीछे नही है..? वही दूसरी ओर गाडरवारा सांईखेड़ा मार्ग सहित क्षेत्र की अन्य सड़को के किनारे लगे हुये आम, नीम सहित अन्य प्रकार के पेड़ जिस तरह दिनों दिन गायब होते हुये दिखाई दे रहे है, वह चर्चा का विषय बनने के साथ साथ प्रशासन की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहे है..? जबकि बताया जाता है कि सड़को के किनारे लगे हुये यह पेड़ जहां लोक निर्माण विभाग व राजस्व विभाग के अधिक माने जाते है। मगर संबंधित विभाग की अनदेखी का परिणाम है कि यह पेड़ लगातार मौके से गायब होते चले जा रहे है जिनकी सच्चाई मौके पर खड़े हुये ठूट खुद ही वया करने से नही चूक रहे है। आये दिन देखा जाता है कि तेज हवा या फिर अन्य कारणों से जब यह पेड़ किर जाते हे तो यातायात व्यवस्था बाधित होते हुये देखी जाती है। इस स्थिति में प्रशासन की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर पेड़ो की कटाई छटाई करते हुये यातायात व्यवस्था को सुचारू तो कर दिया जाता है। मगर इसके बाद उस पेड़ की लकड़ी कहा गायब हो जाते है यह सच्चाई चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है। इतना ही नही सड़क किनारे जिस तरह पेड़ लगातार सूखने के बाद अचानक गायब होना भी सबालों को जन्म देने से नही चूक पा रहा है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि इन पेड़ो को सुखाकर गायब करने के लिये कही क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी माफियों का षडयंत्रों तो नही है...? खैर सच्चाई जो भी हो। इस समय गाडरवारा से कामती की ओर जाने वाले मार्ग की सच्चाई पर नजर डाले जावे तो बीते हुये वर्ष आम, नीम सहित अन्य प्रकार के बडे बडे पेड़ जो हरे भरे नजर आ रहे थें। मगर वह पेड़ अब मौके से गायब होने के साथ साथ उनके शेष रहे ठूट ही दर्शन देते हुये दिखाई दे रहे है..। इस सच्चाई को लेकर सबाल यह पैदा हो रहा है कि मान लिया जावे कि किसी कारण बस यह पेड़ सूख गया होगा। मगर सूखे हुये पेड़ की लकड़ी कहा गायब हो गई इस बात का शायद ही किसी विभाग के पास संतोषजनक उत्तर मिल पाना संभव होते हुये दिखाई नही दे रहा है..? इस सच्चाई को जिस तरह संबंधित विभाग द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है उसका परिणाम है कि क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी गिरोह इन पेड़ो के माध्यम से जहां अपने जेबों को भरने में सफल होते हुये नजर आने से नही चूक रहा है। वही दूसरी ओर प्रतिदिन क्षेत्र की सड़को से इस तरह अनेक किस्म के पेड़ो की लकड़ी से भरे हुये ट्रेक्टर ट्रालियों प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण देने से नही चूक रहा है..? नियम के अनुसार तो बताया जाता है कि भले कोई व्यक्ति अपनी निजी भूमि में लगे हुये पेड़ को काटता है तो उसकी संबंधित विभाग से अनुमति लेने के बाद भी कटाई करते हुये परिवहन कर सकता है। मगर प्रतिदिन क्षेत्र की सड़को पर ट्रेक्टर ट्रालियों में परिवहन हो रही लकड़ी सच्चाई जाने का शायद ही आज तक वन व राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रयास किया गया हो जिसका परिणाम है कि लकड़ी माफियों के हौसले बुलंद होने से नही चूक रहे है..? बताया जाता है कि यह लकड़ी माफिया गांव गांव भ्रमण करते हुये किसानों के खेतों में लगे हुये हरे भरे फलदार वृक्षों की बोली लगाते हुये उन्हें प्रलोभन देने से नही चूकते है। इसके बाद खुलेआम फलदार पेड़ो पर कुल्हाडी चलते हुये प्रदेश के बाहर पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। यह बात जरूर है कि बीते हुये कुछ वर्षो में संबंधित विभाग की सख्ती के क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी माफियों की गति विधियों पर काफी हद तक अंकुश लगा हुआ नजर आने लगा था। मगर प्रशासन तंत्र की उदासीनता कही जावे या फिर लकड़ी माफियों द्वारा अपनी पहुंच की धोष दिखाने के चलते अधिकारियों की अनदेखी के चलते क्षेत्र की सड़को के किनारों से लेकर गांव गांव हरे भरे पेड़ो पर फिर कुल्हाडी चलते हुये दिखाई देना शुरू हो चुका है। यदि समय रहते हुये लकड़ी माफियों की कार गुजारियों पर अंकुश नही लगा तो सरकार का प्रकृति को हरियाली की चुनरी पहनाने के सपने को ग्रहण लगने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..?

बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाने का हो रहा जुनून सवार, गांवों में धड़ल्ले से खुल रही शासन के मापदंडो को दरकिनार करते हुये शिक्षण संस्थायें..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। म.प्र.सरकार गांवों के शासकीय स्कूलों में बेहतर सुविधाएं देकर बच्चों को उनमें अध्ययन करने के लिए आकर्षित कर रही है, मगर जिन शासकीय शालाओं में शिक्षक नहीं है, उनमें योग्य शिक्षक, अतिथि शिक्षक, संविदा शिक्षक भेजे जा रहे है। वही छात्र छात्राओं को गणवेश से लेकर साईकिलों के साथ साथ छात्रवृति सहित भोजन व निःशुल्क पुस्तके भी दी जा रही हैं। किन्तु आश्चर्य का विषय है कि शहरों की तरह ग्रामों के अभिभावकों पर भी अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ाने का जिस प्रकार से जुनून छा रहा है, उसका नतीजा है कि गांवों में भी अब अंग्रेजी माध्यम की धड़ल्ले से निजी शालाएं खुलती चली जा रही है जहां पर खुलेआम शासन द्वारा निर्धारित किये गये माप दंडो को दर किनारे करते हुए मनमानी फीस बसूली जा रही है। जहां पर अक्सर देखा जाता है कि जब शिक्षा शत्र की शुरूआत होती है तो प्रवेश लेने वाले बच्चों को सीट फुल होने का भय दिखाते हुए अधिक डोनेशन प्राप्त करने का फंडा अपनाया जाता है..? जिसके चलते देखा जा रहा है कि इस साल अप्रैल माह में नये शिक्षा सत्र की शुरूआत होने के चलते इन स्कूलों द्वारा जहां तहां बैनर पोस्टर लगाते हुये अभिभावकों को लुभाने की शुरू कर भी करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? गौरतलब है कि अंग्रेजियत में डूबी इन निजी शालाओं की फीस महंगी तो होती ही है इसके अलावा इनमें पढ़ने वाले बच्चों से डोनेशन और अन्य मदों में राशि की बसूली कर अभिभावकों को आर्थिक शोषण किया जाता है..?अनेक निजी शालाएं तो ऐसी भी रहती है जो स्थापना के निर्धारित माप दंडों पर खरी नहीं होती, इनके पास न तो व्यवस्थित खेल मैदान होता और न ही पुस्तकालय, प्रयोग शालाा तथा अन्य सुविधाएं रहती है, वही पढ़ाने वाले शिक्षको की स्थिति देखी जावे तो वह खुद अग्रेजी नही जानते है, मगर बच्चों को अग्रेजी पढ़ाने की बात करते है? जिन गांवों के अधिकांश निवासी ए बी सी डी नही जानते, उनमें नेटवर्क फैलाकर ये निजी स्कूल अंग्रेजी शिक्षा का महत्व बताकर अभिभावकों को जाल मंल फंसा लेते है और बच्चों के दाखिले के बाद शुरू हो जाती है वह अभिभावकोंके शोषण की कहानी जिसका पूरे साल अंत नहीं होता? उल्लेखनीय है कि महंगाई के इस दौर में किताबों, कापियों, बच्चों को गणवेश तथा अन्य शालेय सामग्री के दामों में इजाफा होने से बैसे ही बच्चों को शिक्षित कराने में अभिभावक परेशान रहते है, ऊपर से गांवों में आयी निजी स्कूलों की बाढ़ से शिक्षा-व्यवस्था और गड़बड़ होती चली जा रही है, मजेदार तथ्य है कि जहां एक तरफ अंग्रेजी मीडियम स्कूल चमचमाते इश्तहार तथा विज्ञापन प्रकाशित कर शासकीय स्कूलों से अभिभावकों को मोह भंग करते हुए अपना तामझाम फैला रहे है, वही जिले के शिक्षा विभाग की तरफ से शासकीय शालाओं की व्यवस्थाओं के संबंध में ऐसा कोई प्रचार अभियान नही चलाया जा रहा है, जो शासकीय शालाओं के प्रति अभिभावकों में अनुराग जाग सके।

राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ ने सौंपा विद्युत अधिकारी को अपनी समस्याओं को लेकर ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

` अन्नदाता जिन परिस्थितयों से जूझते हुये देखा जा रहा है उसके चलते उसे खेती को लाभ का बंधा बनाने की सोच सपना साबित होने से नही चूक रही है। यह बात अलग है कि सरकार द्वारा मंचों के माध्यम से किसानों के हितों में चलाई जाने वाली योजनाओं सहित सिंचाई के लिये पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है। मगर किसानों की सच्चाई इस तरह देखने मिल रही है कि न तो उसे अपनी खेती के लिये समय पर खाद मिल पाता है। जब किसान का अनाज तैयार हो जाता है तो उसका विक्रय करने के लिये किसानों को किस तरह दिन रात लाईनों में खड़ा रहने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है यह बात की किसी से छिपी नही है। वही दूसरी ओर प्रकृति का कहर चंद मिनिटों के अंदर किसानों को बर्बाद करने में पीछे नही रहता है। इस तरह चारों ओर परेशानियों का सामना करते हुये किसी तरह किसान खेती करते हुये देखा जा रहा है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब किसानों को अपने खेतों की सिंचाई करने के लिये बिजली ही नही मिलेगी तो फिर यह खेती कैसे करेगा..? इसी बात को लेकर बीते हुये दिवस राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ द्वारा युवा कृषक नेता आनंद कौरव के नेतृत्व में चीचली विद्युत अधिकारी को एक ज्ञापन सौपते हुये अपनी मांगों से अवगत कराया गया है। सौपे गये ज्ञापन में उल्लेखित किया गया है कि गर्मी सीजन की मूंग फसल की सिंचाई के लिये कम से कम 10 घंटे बिजली प्रदान की जावे। इस बीच यदि सुधार कार्य के नाम पर बिजली कटौती की जाती है तो अतिरिक्त बिजली प्रदान की जावे। वही दूसरी ओर किसानों के खेतों में लगे हुये ट्रांसफार्मर जल जाते है तो उसे 72 घंटे के अंदर दूसरा ट्रांसफार्मर प्रदान किया जावे। यदि किसान लेकर आते है तो उसे लाने ले जाने का खर्च दिया जावे। वही दूसरी ओर बीते हुये दिनों में दिये गये ज्ञापनों में जिस प्रकार से किसानों के खेतों के ऊपर से वर्षो पुरानी बिजली लाईने निकली हुई है उनके झूलते हुये तारों के कारण आये दिन किसानों के खेतों में आग लगने जैसी घटनाये सामने आती है। इन जर्जर स्थिति में पहुचे हुये तारों को शीघ्र बदलवाया जावे। वही दूसरी सभी विद्युत सब स्टेशन पर फोन नम्बर निर्धारित किया जावे जिससे कटौती के संबंध में किसान बिजली की जानकारी ले सके। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि किसानों के पंपो में लगी हुई 5 एच पी की मोटरों को अधिक क्षमता की बताते हुये मनमाने बिजली बिल तथा इसी तरह घरेलू बिलों का मन के मुताबिक भार में बढोत्तरी करते हुये बिल दिये जा रहे है उन्हें घटाया जावे। किसानों द्वारा चेतावनी देते हुये कहा है कि यदि समय रहते हुये उनकी मांगों का निराकरण नही किया गया तो आने वाले समय में किसानों को उग्र रूप धारण करते हुये विरोध प्रदर्शन करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा जिसकी जिम्मेदारी विद्युत विभाग के अधिकारियों की रहेगी। ज्ञापन सौपने के दौरान मुख्य रूप से किसान नेता चौधरी आनंद सिंह के आलवा खेत सिंह पटैल, आशीष पटैल, पप्पू भैया सरपंच, कुंबर जी, बाबू लाल कौरव, कीरत कौरव, अमित कौरव सहित भारी मात्रा में क्षेत्र के अन्नदातागण मौजूद रहे।

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक
DPIS
प्रवेश प्रारंभ
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, सांईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob. : 903 9230 199, 722 4021 199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

खबर संक्षेप

जनगणना 2027: अब मात्र 15 मिनट में स्वयं करें जानकारी दर्ज, डिजिटल प्लेटफॉर्म से प्रक्रिया हुई सरल

डिंडोरी ।जिले में जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत जिला प्रशासन ने व्यापक जनजागरूकता अभियान शुरू किया है। कलेक्टर के निर्देशन में नागरिकों को ऑनलाइन माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करने की सुविधा दी गई है। इससे जनगणना की प्रक्रिया अब सरल पारदर्शी और समयबद्ध होने लगी है।कलेक्टर ने बताया कि नागरिक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से केवल 15 मिनट में अपनी जनगणना की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए पोर्टल पर लॉगिन कर राज्य का चयन पंजीयन एवं मोबाइल नंबर का सत्यापन करना होगा। इसके बाद 16 उपलब्ध भाषाओं में अपनी सुविधा अनुसार भाषा चुनकर ओटीपी के माध्यम से प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सकेगा।पोर्टल पर कुल 33 प्रश्नों के उत्तर दर्ज करने होंगे जिनमें परिवार आवास शिक्षा और रोजगार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी शामिल है। जानकारी दर्ज करने के बाद प्रिव्यू विकल्प से डेटा की समीक्षा की जा सकती है और अंतिम रूप से सबमिट करने पर प्रत्येक परिवार को विशिष्ट SE ID प्रदान किया जाएगा जो भविष्य में डेटा सत्यापन के लिए उपयोगी रहेगा।कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना से संबंधित सभी जानकारी पूर्णतः सुरक्षित रहेगी। इसके लिए आधुनिक बैंकिंग प्रणाली की तर्ज पर उच्च स्तरीय साइबर सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं ताकि नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता सुनिश्चित हो सके।जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस डिजिटल सुविधा का अधिकतम उपयोग करते हुए समय पर जानकारी दर्ज करें और जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग दें। साथ ही केवल अधिकृत स्रोतों पर ही भरोसा करने की सलाह दी गई है।

श्रीमती अर्चना सिंह पायक ने संभाला नवोदय विद्यालय अमरकंटक के प्राचार्य का पदभार

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में श्रीमती अर्चना सिंह पायक ने प्राचार्य पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने यह दायित्व पूर्व प्राचार्य आशीष शुक्ला से संभाला। उल्लेखनीय है कि आशीष शुक्ला का स्थानांतरण पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय दमोह में हो गया है, जहां वे अपने मूल पद प्रभारी प्राचार्य के रूप में लौटे हैं। उन्हें लगभग 9 माह पूर्व दमोह से अमरकंटक भेजा गया था। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विद्यालय में उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य करते हुए सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने का प्रयास किया। नव नियुक्त प्राचार्य श्रीमती अर्चना सिंह पायक इससे पूर्व दतिया में वरिष्ठ उच्चतर माध्यमिक शिक्षक के पद पर कार्यरत थीं। विभागीय परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के उपरांत उनका स्थानांतरण पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में प्राचार्य पद पर हुआ है। पदभार ग्रहण के अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक डी.एस. सेंगर, रमेश सिंह, एम.एल. कोरी, श्रीमती मनोरमा कौशल सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

अनूपपुर जिले में गेहूँ उपार्जन 15 अप्रैल से प्रारंभ, 6 केंद्र निर्धारित

अनूपपुर। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में गेहूँ उपार्जन का कार्य 15 अप्रैल से प्रारंभ किया जाएगा। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूँ क्रय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिले में 6 उपार्जन केंद्र निर्धारित किए गए हैं। दुलहरा समिति के लिए मां शारदा वेयरहाउस, 2 बरबसपुर, पटनाकला समिति के लिए कृषि उपज मंडी अनूपपुर, मझगवां (फुनगा) समिति के लिए शारदा फूड प्रोसेसिंग गोदाम पयारी, धनगवां समिति के लिए सिंह वेयरहाउस छातापटपर, बिजुरी समिति के लिए बतूल वेयरहाउस कोतमा तथा राजेंद्रग्राम समिति के लिए गोदाम राजेंद्रग्राम को उपार्जन केंद्र के रूप में निर्धारित किया गया है।

जल जीवन मिशन की विफलता उजागर

कागज़ों में बहता पानी, ज़मीनी हकीकत में प्यासा हर्रा टोला

डिंडोरी।

केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना डिंडोरी जिले के हर्रा टोला में दम तोड़ती नजर आ रही है। जनपद पंचायत डिंडोरी अंतर्गत ग्राम पंचायत घुसिया के इस पोषक ग्राम में योजना की हकीकत सरकारी दावों से बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है।करीब चार से पांच वर्ष पूर्व ठेकेदार द्वारा गांव में पाइपलाइन बिछाकर घर-घर नल कनेक्शन के लिए स्टैंड तो खड़े कर दिए गए, लेकिन आज तक इन नलों से पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंची। नतीजतन, ग्रामीण आज भी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं।

स्थिति यह है कि हर्रा टोला के लोगों को रोजाना लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित पहाड़ी मार्ग पार कर नदी से पानी लाना पड़ता है। महिलाएं और बच्चे जोखिम भरे रास्तों से गुजरकर पानी ढोने को मजबूर हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य दोनों पर गंभीर खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से अधूरे कार्य को पूर्ण दिखाकर लाखों रुपये का गबन किया गया। योजना के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई गई, जबकि वास्तविक उद्देश्य—हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना—पूरी तरह विफल रहा।सरकार जहां "हर घर नल-जल" का दावा कर रही है, वहीं हर्रा टोला में "नल है, पर जल नहीं" की सच्चाई इन दावों की पोल खोल रही है। गांव में लगे सूखे नल अब कथित भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही के मूक गवाह बन चुके हैं।प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई या जवाबदेही तय नहीं की गई है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र जल आपूर्ति शुरू नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

आवास योजनाओं में अनियमितताओं के आरोप से ग्रामीणों में आक्रोश

डिंडोरी। जिले के जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सारसताल में आवास योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि शासकीय योजनाओं का लाभ उन्हें पूर्ण रूप से नहीं मिल पाया और कई मामलों में आवास अधूरे रह गए।ग्रामीणों के अनुसार प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना तथा पीएम जनमन आवास योजना के तहत स्वीकृत राशि का उपयोग निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप नहीं हुआ। हितग्राहियों का कहना है कि उनसे किस्त की राशि लेकर मकान निर्माण का आश्वासन दिया गया लेकिन कार्य समय पर पूर्ण नहीं किया गया जिसके चलते कई परिवार आज भी अधूरे मकानों में रहने को मजबूर हैं। ग्राम में अनेक ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जहां निर्माण कार्य प्रारंभ होने के बाद रुक गया। कई स्थानों पर केवल दीवारें खड़ी हैं जबकि छत का कार्य अधूरा है। कुछ मामलों में काम बीच में ही छोड़ दिया गया जबकि शासकीय अभिलेखों में आवास पूर्ण दर्शाए जाने की बात सामने आ रही है रानी बूढ़ार क्षेत्र में भी अनियमितता का एक मामला सामने आया है जहां एक ही परिवार के दो सदस्यों के नाम पर आवास स्वीकृत होने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि कागजों में दोनों आवास पूर्ण दर्शाए गए जबकि वास्तविक स्थिति भिन्न है। ग्रामीणों ने इस संबंध में जनपद और जिला स्तर पर शिकायत दर्ज कराई है तथा जनसुनवाई में भी अपनी बात रखी है। इसके बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। मामले को लेकर प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी प्रश्न उठने लगे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि यदि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो आवास योजनाओं में व्यापक स्तर पर अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है। अब सभी की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं कि क्या इस मामले में प्रभावी कदम उठाए जाएंगे या फिर स्थिति यथावत बनी रहेगी।

कलेक्टर ने नर्मदा घाट पर चलाया सफाई अभियान, नगर क्षेत्र का किया निरीक्षण अतिक्रमण हटाने और बाजार व्यवस्थित करने के निर्देश

डिंडोरी।

जिले में स्वच्छता और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने रविवार को अधिकारियों कर्मचारियों और नगर पालिका अमले के साथ नर्मदा घाट पहुंचकर "जल गंगा संवर्धन" अभियान के तहत विशेष सफाई अभियान में भाग लिया। इस दौरान घाटों की साफ सफाई कर आमजन को स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश दिया गया।कलेक्टर ने नर्मदा घाट के किनारे फुटपाथ पर रखी पूजा सामग्री और पान मसाला गुटखा शैंपू जैसी वस्तुओं को हटवाते हुए दुकानदारों को सख्त हिदायत दी। उन्होंने एसडीएम डिंडोरी को घाट क्षेत्र से नशीले पदार्थों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। साथ ही नागरिकों से अपील की कि स्नान के दौरान साबुन का उपयोग न करें ताकि नर्मदा का जल स्वच्छ बना रहे।

सफाई अभियान के बाद कलेक्टर ने नर्मदा नदी में मिलने वाले नालों का निरीक्षण किया। इस दौरान बताया गया कि सीवर लाइन के माध्यम से गंदे पानी को रोककर ट्रीटमेंट प्लांट तक भेजने की व्यवस्था की जा रही है जिससे नदी को प्रदूषण मुक्त रखा जा सके। कलेक्टर ने एसडीएम को शंकर घाट नाले के किनारे किए गए अतिक्रमण को दो दिन के भीतर हटाने के निर्देश दिए।

इसके बाद कलेक्टर ने नगर क्षेत्र का पैदल भ्रमण करते हुए बस स्टैंड सब्जी मंडी और गल्ला गोदाम क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बस स्टैंड को व्यवस्थित करने नालों के किनारे से अतिक्रमण हटाने और सड़क किनारे संचालित सब्जी और मांस दुकानों को निर्धारित स्थान पर स्थानांतरित करने के निर्देश नगर पालिका को दिए।

हालांकि स्थानीय लोगों में यह सवाल भी उठ रहा है कि मुर्गा दुकानों और ठेलों पर की गई कार्रवाई कितने दिन प्रभावी रहेगी या फिर दो से तीन दिन बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाएगी और सब्जी मंडी के बाहर ठेलों में दुकानें दोबारा लगती नजर आएंगी।

कलेक्टर ने गल्ला गोदाम क्षेत्र की व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश देते हुए एक सप्ताह के भीतर चौपाटी को मैदान में शिफ्ट करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर क्षेत्र को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है।इस अवसर पर नर्मदा सफाई अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहे दिव्यांग शिक्षक शहीद खान सहित अन्य सेवादारों के कार्यों की सराहना की गई। कलेक्टर ने कहा कि जनसहभागिता से ही नर्मदा की स्वच्छता और अविरलता सुनिश्चित की जा सकती है।

कलेक्टर ने नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी दुकानदारों को पूर्व सूचना देकर विद्युत स्वच्छता और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही प्रत्येक वार्ड में एक दिन सामूहिक सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए ताकि नागरिकों की भागीदारी से वार्ड स्तर पर स्वच्छता सुनिश्चित हो सके।कार्यक्रम में अपर कलेक्टर जे पी यादव एसडीएम रामबाबू देवांगन सीएमओ अमित तिवारी जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार राम विशाल मिथलेश नर्मदा प्रेमी सफाई दल सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रवेश उत्सव में 'भविष्य से भेंट' की गूंज छात्रों को मिला प्रेरणा का संदेश

डिंडोरी।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शाहपुर विकासखंड डिंडोरी में तीन दिवसीय प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। 4 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम 'भविष्य से भेंट' थीम पर केंद्रित रहा जिसमें जनप्रतिनिधि अधिकारी कर्मचारी पालक शिक्षक शिक्षिकाएं और छात्र छात्राओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सीएमएचओ एवं पीएससी चयन समिति सदस्य डॉ देवेंद्र मरकाम रहे। उनके साथ डॉ संतोष परस्ते एवं जनपद सदस्य ननकू सिंह परस्ते विशेष रूप से मौजूद रहे। जिला नोडल अधिकारी आशीष पांडे एपीसी रमसा डीईओ कार्यालय डिंडोरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला और शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

अतिथियों ने विद्यार्थियों को अनुशासन में रहकर लक्ष्य निर्धारित करने और निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों ने भी शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए छात्रों का मार्गदर्शन किया।इस अवसर पर जनपद सदस्य ननकू सिंह परस्ते ने विद्यालय परिसर के समतलीकरण के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को मिष्ठान वितरित किया गया। प्रभारी प्राचार्य मोहम्मद शहीद खान ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम ने छात्रों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करते हुए उन्हें अपने भविष्य के प्रति जागरूक और प्रेरित किया।

काम के अभाव में केरल पलायन को मजबूर मजदूर अमरपुर क्षेत्र में ठप पड़े निर्माण कार्य

अमरपुर डिंडोरी।

जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र की अधिकांश ग्राम पंचायतों में 1 अप्रैल से निर्माण कार्य बंद होने के कारण मजदूरों के सामने रोजगार का संकट गहरा गया है। स्थिति यह है कि काम नहीं मिलने से बड़ी संख्या में श्रमिक अन्य राज्यों खासकर केरल की ओर पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं। ग्राम पंचायत कोको के पोषक ग्राम लखनपुर के मेट रमेश कश्यप ने बताया कि गांव में 200 से अधिक जॉब कार्डधारी होने के बावजूद अब तक एक भी मस्टररोल जारी नहीं किया गया है और मजदूरों को कोई काम उपलब्ध नहीं कराया गया है। ऐसे में परिवार का भरण पोषण बच्चों की पढ़ाई और दैनिक खर्च चलाना मुश्किल होता जा रहा है।मजदूरों का कहना है कि मजबूरी में उन्हें गांव छोड़कर बाहर जाना पड़ रहा है जबकि जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। ग्रामीणों ने शासन और प्रशासन से जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू कर रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की है ताकि पलायन की स्थिति पर रोक लगाई जा सके।

रेलवे कांग्रेस अनूपपुर शाखा बैठक की बैठक में पुरानी पेंशन की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर में 04 अप्रैल को सप्ताहिक बैठक में जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने अपील की आगामी 09 अप्रैल को एन एफ आई आर एवं साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के ओल्ड पेंशन स्कीम वापस करो व अन्य मुद्दों को लेकर बिलासपुर में महारैली कर रही है इस रैली व राष्ट्रीय अधिवेशन में अनूपपुर शाखा सहित सीआईसी शाखा से ज्यादा से ज्यादा संख्या में रेल कर्मचारियों को शामिल होने की अपील की गई। रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर के शाखा सचिव जयंतो दास गुप्ता ने बताया की आगामी 09 से 11 अप्रैल तक एनएफआईआर व मजदूर कांग्रेस बिलासपुर की वर्किंग कमिटी मीटिंग होगी।

मिशन शक्ति के तहत सामुदायिक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम

डिंडोरी ।

जिले में मिशन शक्ति के तहत महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु वन स्टॉप सेंटर द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आंगनबाड़ी केंद्र स्कूल टोला ग्राम किसलपुरी विकासखंड अमरपुर में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की एडमिनिस्ट्रेटर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं बालिकाओं और महिलाओं को मिशन शक्ति के अंतर्गत उपलब्ध योजनाओं संबल और सामर्थ्य के विषय में जानकारी दी। साथ ही बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों और बाल विवाह के सामाजिक स्वास्थ्य तथा कानूनी दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह केवल गंभीर सामाजिक बुराई नहीं बल्कि कानूनन दंडनीय अपराध भी है।

वन स्टॉप सेंटर केस वर्कर ने उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को वन स्टॉप सेंटर द्वारा दी जाने वाली सहायताओं महिला हेल्पलाइन नंबर 181 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 और वन स्टॉप सेंटर हेल्पलाइन नंबर 7828195167 की जानकारी दी ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें।कार्यक्रम के अंत में सभी बालिकाओं और महिलाओं से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक रहने और समाज में इनके उन्मूलन हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया गया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, सोमवार 6 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कल तेंदूखेड़ा के कन्या विद्यालय में लगेगा पुस्तक मेला

तेंदूखेड़ा। नवीन शैक्षणिक सत्र का 1 अप्रैल से आगाज हो गया है। नवीन शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में विद्यार्थियों द्वारा क्रय की जाने वाली पुस्तकें स्टेशनरी यूनिफॉर्म जूते बैग इत्यादि उचित मूल्य पर सुलभता से अभि भावकों को मिल सके इसके लिए शासन द्वारा भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार विकास खंड स्त्रोत समन्वयक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया है कि मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले के समस्त विकासखंडों में नियत तिथि पर उचित मूल्य पर पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्राइवेट एवं शासकीय विद्यालय में पढ़ने वाले छात्राओं को उचित मूल्य पर पुस्तक एवं अन्य शैक्षणिक सामग्रियां उपलब्ध कराई जा सके। आगामी 7 अप्रैल मंगलवार को विकासखंड स्तर का शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा में सुबह 10 बजे से पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी अभिभावकों से अपील की गई है कि वह इस पुस्तक मेले में सम्मिलित होकर उचित मूल्य पर अपने बच्चों के लिए स्टेशनरी एवं शैक्षणिक सामग्री क्रय कर सकते हैं। वर्तमान समय में प्राइवेट स्कूलों द्वारा निर्धारित पुस्तक विक्रेताओं से स्टेशनरी एवं क्षेत्र सामग्री खरीदने के लिए औपचारिक रूप से दबाव बनाया जाता है ।शासन के इस आदेश के बाद औपचारिक या अनौपचारिक रूप से अभिभावक कहीं से भी अब पुस्तक या अन्य सामग्री क्रय कर सकता है।

अवैध सागौन जब्ती का मामला खाना पूर्ति सिद्ध हो रही कार्रवाई

एक पर कार्रवाई बांकी को अभयदान,वन विभाग का कारनामा

हरिभूमि

अवैध सागौन जब्ती के मामला, ना हो खाना पूर्ति

जांच के नाम पर दोषियों को छूट रहा पसीना

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

वनों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा वन रक्षकों को तैनात किया गया है लेकिन वन रक्षकों की मिलीभगत के कारण वनों की अवैध कटाई होती है। ऐसा ही मामला बीते माह वन परिक्षेत्र नरसिंहपुर से भी सामने आया जिसमें वन कर्मियों की मिलीभगत से अवैध सागौन को काटकर फर्नीचर मार्ट तक पहुंचाया गया था। ज्ञात हो कि विगत माह वन विभाग द्वारा अवैध सागौन की जब्ती कर मामले को जांच में लिया गया।

दो माह बीत जाने के बाद भी वन विभाग द्वारा जांच रिपोर्ट पर पाई गई विसंगतियों को उजागर नही किया गया। जबकि एक वन रक्षक को कार्यालय अटैच किया गया। मौके पर पाये गए आरोपी द्वारा अन्य वन कर्मियों की मिलीभगत की भी बात कही गई थी। लेकिन विभाग द्वारा खाना पूर्ति करते हुए एक पर कार्रवाई करते हुए मामले को जांच मे लेकर इति श्री करने जैसा प्रतीत हो रहा है। वही उक्त मामले मे वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी जानकारी देने से भी कतरा रहे है। प्रशासन को चाहिए की जांच कर ठोस कार्रवाई करे।

मामला इस प्रकार

वन परिक्षेत्र करेली के बरमान चौराहा स्थित दीपक यादव की फर्नीचर मार्ट से वन विभाग द्वारा 10 घन मीटर अवैध सागौन के लठ्ठे, चिरान, सिल्ली व अन्य सामग्री जब्त की गई। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 10 घन मीटर अवैध सागौन के साथ एक वाहन जब्त किया गया। वन विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए फर्नीचर मार्ट की दुकान, आरा मशीन सहित अन्य सामग्री को सील किया गया। आरोपी द्वारा दुकान के तल घरे मे लकड़ी को छुपाकर रखा गया था वन विभाग द्वारा आरोपी से पूछताछ भी की गई। उक्त मामले को लेकर अन्य लोगों से पूछताछ की गई। कार्रवाई के दौरान वन विभाग द्वारा अवैध लकड़ी लाने के स्त्रोतों का पता लगाए जाने को लेकर कार्रवाई की जा रही है। जिसका कोई अता पता नही चला।

अन्य दोषियों पर कार्रवाई क्यों नहीं

वन विभाग मे भी मुंह देखी कार्रवाई की जाती है। सूत्रों के अनुसार दीपक यादव की फर्नीचर मार्ट से जब्ती के बाद आरोपियों को ब्यान लिया गया। वन विभाग द्वारा शेष कार्रवाई के लिए मामले की जांच प्रारंभ की गई दो माह बीत जाने के बाद भी वन विभाग द्वारा जांच मे सामने आए तथ्यों के आधार पर कोई कार्रवाई की गई और ना ही अन्य लोगों को दोषी बनाया गया उक्त संबंध वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई अधिकृत जानकारी भी नहीं दी जा रही है। जबकि आरोपियों द्वारा कार्रवाई के दौरान अन्य वनकर्मियों की मिलीभगत की बात कही गई थी जिन पर विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। सूत्रों के अनुसार आरोपियों द्वारा नाम लिए जाने के बाद संबंधित कर्मचारियों द्वारा अपनी रिश्तेदारी व रसूख के बल पर कार्रवाई होने से बचा लिया और एक वन रक्षक पर कार्रवाई की गई। अब देखना होगा कि वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है।

जांच के नाम पर लीपापोती

वन विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई को अंजाम देकर मामले को जांच मे लिया गया। विभाग द्वारा जांच के लिए विस्तृत टीम बनाई गई जिसमें उत्कृष्ट व जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जांच टीम में शामिल किया गया लेकिन दो माह बीतने के बाद भी जांच का कोई जिक्र ना होने से संदेह उत्पन्न होने लगा और अधिकारियों द्वारा भी उक्त संबंध में कोई संतुष्टी पूर्वक जबाव भी नही दिया गया। लोगों का कहना कि वन विभाग द्वारा जांच के नाम पर लीपापोती कर दी गई। ज्ञात हो कि वनों की रक्षा के लिए विभाग द्वारा वन रक्षकों को तैनात किया गया है लेकिन वन विभाग के कर्मचारी वनों की रक्षा करने में असफल नजर आ रहे है प्रशासन को चाहिए की जांच कर ठोस कार्रवाई करे जिससे अवैध वनों की कटाई को रोका जा सके। हालांकि उक्त कार्रवाई से वन परिक्षेत्र करेली पर भी सवालिया निशान लगा लेकिन अंत में सब गोलमाल नजर आ रहा है। अब देखना होगा कि प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी क्या कार्रवाई करते है।

भतीजे की हत्या का आरोप, बुआओं ने पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशनगंज क्षेत्र में हुई युवक की मौत को लेकर जांच की मांग करते हुए आवेदन दिया गया। ज्ञात हो कि थाना स्टेशनगंज अंतर्गत आने वाले ग्राम डोंगरगांव में हुई एक युवक की संदिग्ध मृत्यु ने अब तूल पकड़ लिया है। मृतक सुदर्शन लोधी की सगी बुआओं ने पुलिस थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपते हुए आरोप लगाया है कि उनके भतीजे की हत्या सोची-समझी साजिश के तहत संपत्ति हड़पने के लिए की गई है। परिजनों का आरोप है कि सुदर्शन की हत्या को आत्महत्या का रूप देकर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्राम रातीकरार कला निवासी सुदर्शन लोधी पिता स्व. जगदीश लोधी पिछले कुछ समय से ग्राम झिरी में रह रहा था। परिजनों के अनुसार, सुदर्शन के पास करीब ढाई एकड़ जमीन, दो मोटरसाइकिल, एक ट्रैक्टर और सोने-चांदी के जेवरात थे।

आरोप है कि महिला और उसके सहयोगियों ने सुदर्शन को अपने विश्वास में लेकर उसकी जमीन बिकवा दी और उसकी संपत्ति पर कब्जा कर लिया। बीती 3 अप्रैल 2026 को डोंगरगांव स्थित एक खेत में सुदर्शन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर जब मृतक की बुआएं श्रीमती दमन्ती बाई, रूपा बाई और कोशा बाई गाँव पहुँचीं, तो उन्हें मामला संदिग्ध लगा। पुलिस को सौंपी गई शिकायत में आवेदिका श्रीमती दमन्ती बाई ने निम्नलिखित गंभीर आरोप लगाए हैं साजिश के तहत हत्या आरोप है कि सुदर्शन की जमीन और कीमती सामान हड़पने के बाद उसकी हत्या कर दी गई। शिकायत में कहा गया है कि सुदर्शन के सौतेले पिता मुन्ना लोधी और माँ माया लोधी पुलिस को यह कहकर गुमराह कर रहे हैं कि उसने आत्महत्या की है, जबकि मामला पूरी तरह हत्या का है। मृतक की बुआओं ने थाना प्रभारी स्टेशन से मांग की है कि इस पूरे हत्याकांड की सूक्ष्मता से जांच की जाए। उन्होंने रचना नोरिया, संतोष नोरिया, सौतेले पिता मुन्ना लोधी और अन्य संदिग्धों के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज करने की अपील की है।

श्री पटेल ने किया सीड ग्रेडिंग मशीन एवं एनसीसीएफ का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने नई कृषि उपज मंडी करेली में शनिवार को शक्तिपूजा महिला किसान प्रोड्यूसर कम्पनी प्रा.लि. द्वारा सीड ग्रेडिंग मशीन एवं एनसीसीएफ के माध्यम से चना मसूर खरीदी के कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर उन्होंने कहा कि यह पहल मातृशक्ति किसान बहनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। सीड ग्रेडिंग मशीन से बीजों की गुणवत्ता में सुधार होग, जिससे किसानों को बेहतर उत्पादन और उचित मूल्य प्राप्त होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य परियोजना प्रबंधक (कृषि), मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन भोपाल मनीष पवार ने की। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. विशाल मेश्राम, सौभाग्य सिंह लोधी, लघु उद्योग जिला प्रबंधक ज्वाला करोसिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और स्वसहायता समूह की महिलाएं मौजूद थी। कार्यक्रम का संचालन एफपीओ के सीईओ जगदीश मेहरा ने किया।

श्री शंखनाद और माधवम परिवार के ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर की अग्रणी सांस्कृतिक संस्था शंखनाद सांस्कृतिक कला केंद्र एवं माधवम परिवार के संयुक्त तत्वाधान में इस वर्ष भी बच्चों की छुट्टियों को रचनात्मक और ज्ञानवर्धक बनाने के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर 2026 का भव्य आयोजन होने जा रहा है। जिसमें कला और संस्कृति का यह महाकुंभ देखने को मिलेगा। आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि विगत वर्षों की गौरवशाली परंपरा को जारी रखते हुए, इस वर्ष भी शिविर का स्वरूप बेहद व्यापक रखा गया है। आयोजकों ने बताया कि आधुनिकता की चकाचैंध में खो रही नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और समृद्ध भारतीय विरासत से जोड़ना ही इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है। शिविर में बच्चों को केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक नृत्य, चित्रकला, नाट्य कला (थिएटर) और व्यक्तित्व विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसमें देशभर के दिग्गज कलाकार प्रशिक्षण देंगे।

प्रभारी मंत्री ने निशुल्क साइकिल और पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण और जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि नरसिंहपुर जिला कक्षा 5 वीं एवं कक्षा 8 वीं की वार्षिक परीक्षाफल में प्रदेश में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। इस सफलता के लिए जिले के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं को बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट शिक्षा मिले, इसके लिए समुचित प्रबंध किए गए हैं। विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के लिए पर्याप्त शिक्षक, पुस्तकें, निरूशुल्क साईकिल, भोजन एवं बैठक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रदेश के छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट शिक्षा मिले, इस दिशा में हमारी सरकार लगातार काम कर रही है। नरसिंहपुर जिले में सांदीपनि स्कूलों का निर्माण किया जा रहा है। सांदीपनि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने बताया कि सांदीपनि स्कूल में छात्र-छात्राओं के लिए सम्पूर्ण व्यवस्थाएं सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया व उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, विधायक तेंदूखेड़ा विश्वनाथ सिंह पटेल व विधायक गोटेगांव महेन्द्र नागेश, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, रामसनेही पाठक, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और छात्राएं मौजूद थी।

पत्रकार समाज के प्रहरी, सकारात्मक ऊर्जा के संवाहकः मंत्री श्री पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि पत्रकार समाज के सच्चे प्रहरी होते हैं, जो हर परिस्थिति में सच्चाई को सामने लाकर समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि समय के साथ पत्रकारिता का दायित्व और अधिक व्यापक हुआ है, ऐसे में पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए सामाजिक सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और सम्मान सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पत्रकार जहां एक ओर महत्वपूर्ण विषयों को समाज के सामने रखते हैं, वहीं वे उन लोगों को भी पहचान दिलाने का कार्य करते हैं, जो निस्वार्थ भाव से समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति का सम्मान किया जाता है, तो उसके पीछे के कार्यों और योगदान का उल्लेख होना चाहिए, जिससे समाज में प्रेरणा का वातावरण बने और अन्य लोग भी अच्छे कार्यों के लिए आगे आएं। उक्ताशय के विचार मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल रविवार को शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम में आयोजित उत्कृष्ट नागरिक सम्मान समारोह-2026 के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन के तत्वावधान में पत्रकार फाउंडेशन नरसिंहपुर के द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने शासकीय सेवकों, संगठनों के प्रतिनिधियों, नागरिकों, खिलाड़ियों आदि को प्रशस्ति पत्र, शील्ड और शाल-श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, रामसनेही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, अजय साहू, श्रीमती निशा सोनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष पत्रकार फाउंडेशन ताराचंद पटेल, राष्ट्रीय महासचिव विपिन बैरागी, प्रदेश अध्यक्ष विमल बानगात्री, मंडला से आए उपाध्यक्ष नितिन चैधरी, मणिनागेन्द्र सिंह फाउन्डेशन व पत्रकार फाउंडेशन नरसिंहपुर के पदाधिकारी, जिले के वरिष्ठ पत्रकार, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के सामने किया गया अभिनंदन व्यक्ति का गौरव बढ़ाता है, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करता है। मंत्री श्री पटेल ने नई पीढ़ी के युवाओं को भी ऐसे प्रेरणादायक कार्यों से जोड़ने की आवश्यकता बताई, ताकि वे समाज निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। उन्होंने आगे कहा कि समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले ऐसे अनेक लोग हैं, जो प्रचार-प्रसार से दूर रहकर निरंतर कार्य कर रहे हैं यह समाज के लिए गर्व की बात है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पत्रकारिता एक सृजनात्मक और जिम्मेदारीपूर्ण क्षेत्र है। समाज में सकारात्मक ऊर्जा देने वाले व्यक्तियों, संगठनों और समूहों को चिन्हित कर प्रतिवर्ष उनका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने पत्रकार फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक और अनुकरणीय पहल बताया।

ओवर लोड रेत से लदी डबल ट्रॉलियां दे रहीं हादसों को न्योता

गोटेगांव। क्षेत्र की सड़कों पर इन दिनों ट्रैक्टरों में डबल ट्रॉली लगाकर रेत परिवहन का चलन तेजी से बढ़ गया है, जिससे न केवल यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है बल्कि गंभीर हादसों का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। नियमों को दरकिनार कर ओवरलोड रेत से भरी दो-दो ट्रॉलियां लेकर सड़कों पर दौड़ रहे ट्रैक्टर आमजन की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं।जानकारों के अनुसार एक ट्रैक्टर की निर्धारित क्षमता से कई गुना अधिक वजन लादे जाने के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ जाता है। अचानक ब्रेक लगाने, मोड़ पर मुड़ने या खराब सड़क पर चलते समय ट्रॉली पलटने की संभावना बढ़ जाती है। खासकर ग्रामीण और संकरी सड़कों पर यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है, जहां पैदल यात्री, दोपहिया वाहन चालक और छोटे वाहन आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं।स्थानीय निवासी राकेश पटेल सहित कई लोगों ने बताया कि सुबह और शाम के समय ये ट्रैक्टर तेज रफ्तार में बिना किसी सुरक्षा मानकों के दौड़ते नजर आते हैं। कई ट्रैक्टरों में न तो रिफ्लेक्टर लगे होते हैं और न ही उचित लाइट व्यवस्था होती है, जिससे रात के समय दुर्घटना का जोखिम और बढ़ जाता है।इसके अलावा, ओवरलोडिंग के कारण सड़कों की हालत भी तेजी से खराब हो रही है। डामर और कच्ची सड़कों पर भारी दबाव पड़ने से गड्ढे बन रहे हैं, जिससे आम यात्री और वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि

बाजार क्षेत्र में इन ट्रैक्टरों का आवागमन न केवल जाम की स्थिति पैदा करता है, बल्कि ग्राहकों की सुरक्षा को भी खतरे में डालता है।ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि रेत का यह परिवहन कई स्थानों पर अवैध रूप से किया जा रहा है और संबंधित विभागों की अनदेखी के चलते ऐसे वाहनों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है। यदि समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना होने से इंकार नहीं किया जा सकता।नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ओवरलोड वाहनों के खिलाफ नियमित जांच अभियान चलाया जाए, डबल ट्रॉली पर प्रतिबंध लगाया जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही सड़कों पर पुलिस की निगरानी बढ़ाने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने की भी अपील की गई है, ताकि आमजन को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

एटीएम बने शोपीस, नकदी के लिए भटक रहे लोग

गोटेगांव। नगर में State Bank of India (एसबीआई) की एटीएम सेवाएं पिछले कई दिनों से पूरी तरह चरमराई हुई हैं। शहर के प्रमुख स्थानों पर लगे अधिकांश एटीएम या तो बंद पड़े हैं या "आउट ऑफ सर्विस" का बोर्ड लगाए खड़े हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि एटीएम मशीनों में समय पर कैश नहीं डाला जाता, जिसके कारण थोड़ी ही देर में मशीनें खाली हो जाती हैं। वहीं कई स्थानों पर तकनीकी खराबी के चलते एटीएम लगातार बंद रहते हैं। स्थिति यह है कि उपभोक्ताओं को एक एटीएम से दूसरे एटीएम तक भटकना पड़ रहा है, लेकिन कहीं भी नकदी उपलब्ध नहीं हो पा रही है।खासतौर पर छुट्टियों, त्योहारों और आपातकालीन परिस्थितियों में यह समस्या और गंभीर हो जाती है। ऐसे समय में लोगों को निजी बैंकों के एटीएम का सहारा लेना पड़ता है, जहां अतिरिक्त शुल्क भी देना पड़ता है। इससे आमजन पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।व्यापारियों का कहना है कि नकदी की कमी का सीधा असर उनके कारोबार पर भी पड़ रहा है। छोटे दुकानदारों और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले ग्राहकों के पास डिजिटल भुगतान की सुविधा नहीं होने के कारण लेन-देन प्रभावित हो रहा है। वहीं बुजुर्ग और तकनीकी रूप से कम जानकार लोग सबसे अधिक परेशान हो रहे हैं, जिन्हें बार-बार एटीएम के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।कुछ उपभोक्ताओं ने यह भी शिकायत की है कि कई बार एटीएम से पैसे निकालते समय ट्रांजैक्शन फेल हो जाता है, लेकिन राशि खाते से कट जाती है। ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज कराने और राशि वापस पाने में भी लंबा समय लग जाता है, जिससे लोगों में बैंक के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।नागरिकों ने बैंक प्रबंधन से मांग की है कि एटीएम मशीनों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, पर्याप्त मात्रा में कैश उपलब्ध कराया जाए और तकनीकी खराबियों को तुरंत दूर किया जाए। साथ ही प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त एटीएम लगाने और हेल्पलाइन व्यवस्था को मजबूत करने की भी मांग की गई है, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर और सुचारू बैंकिंग सेवाएं मिल सकें।

कांग्रेस ने मंडलम अध्यक्षों की नई सूची जारी, संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की तैयारी

गोटेगांव। आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और पार्टी को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी ने मंडलम अध्यक्षों की नई नियुक्तियों की घोषणा की है। यह निर्णय संगठन विस्तार और कार्यप्रणाली में तेजी लाने की रणनीति के तहत लिया गया है।जारी सूची प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल की अनुशंसा पर अंतिम रूप से घोषित की गई है।पार्टी नेतृत्व का मानना है कि मंडलम स्तर पर सक्रिय और जिम्मेदार पदाधिकारियों की नियुक्ति से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में इन अध्यक्षों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि यही कार्यकर्ता सीधे जनता से जुड़कर पार्टी की नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।नवनियुक्त मंडलम अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को सक्रिय बनाएं, नियमित बैठकों का आयोजन करें और आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाएं। साथ ही, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की टीम तैयार कर आगामी चुनावों के मद्देनजर मजबूत संगठनात्मक ढांचा खड़ा करने पर जोर दिया गया है।पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उम्मीद जताई है कि इन नियुक्तियों से जिले में कांग्रेस की कार्यप्रणाली में तेजी आएगी और पार्टी जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी तरीके से कार्य कर सकेगी। साथ ही, सामाजिक मुद्दों, जनहित के विषयों और स्थानीय समस्याओं को लेकर सक्रिय भूमिका निभाने के भी निर्देश दिए गए हैं।स्थानीय कार्यकर्ताओं में इन नियुक्तियों को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। उनका मानना है कि नए नेतृत्व के आने से संगठन में नई सोच और ऊर्जा का संचार होगा, जिससे पार्टी आगामी समय में और मजबूत होकर उभरेगी।